SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

न्यूज पोर्टल्स की खबरों में पाठकों की रूचि का अध्ययन

अमित अग्रवाल, वाणिज्य विभाग,
राहुल तिवारी, पत्रकारिता विभाग,
अग्रसेन महाविद्यालय पुरानी बस्ती, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Authors
अमित अग्रवाल, वाणिज्य विभाग,
राहुल तिवारी, पत्रकारिता विभाग,
अग्रसेन महाविद्यालय पुरानी बस्ती,
रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 16/02/2021
Revised on : -----
Accepted on : 23/02/2021
Plagiarism : 00% on 16/02/2021

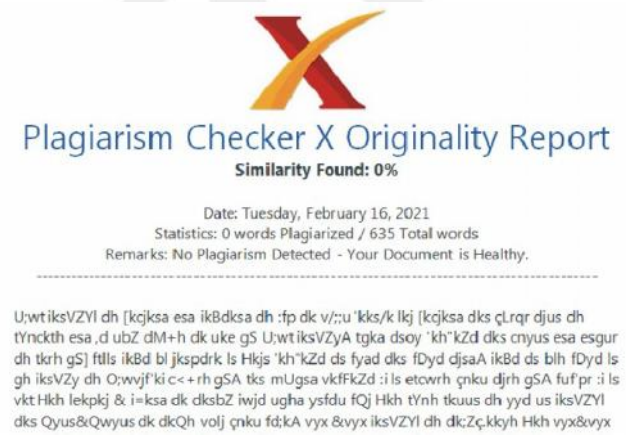
Plagiarism Checker X Originality Report
Similarity Found: 0%

Date: Tuesday, February 16, 2021
Statistics: 0 words Plagiarized / 635 Total words
Remarks: No Plagiarism Detected - Your Document is Healthy.

U;wt iksVZYl dh [kcjksa esa ikBdksa dh :fp dk v/;;u 'kks/k lkj [kcjksa dks çLrqr djus dh tYnckth esa ,d ubZ dM+h dk uke gS U;wt iksVZyA tgka dsoy 'kh"kZd dks cnyus esa esgur dh tkrh gS] ftlls ikBd bl jkspdrk ls Hkjs 'kh"kZd ds fyad dks fDyd djsaA ikBd ds blh fDyd ls gh iksVZy dh O;wvjf'ki c<+rh gSA tks mUgsa vkfFkZd :i ls etcwrh çnku djrh gSA fuf'pr :i ls vkt Hkh lekpkj & i=ksa dk dksbZ iwjd ugha ysfdu fQj Hkh tYnh tkuus dh yyd us iksVZYl dks Qyus&Qwyus dk dkQh volj çnku fd;kA vyx &vyx iksVZYl dh dk;Zç.kkyh Hkh vyx&vyx

शोध सार

खबरों को प्रस्तुत करने की जल्दबाजी में एक नई कड़ी का नाम है न्यूज पोर्टल। जहां केवल शीर्षक को बदलने में मेहनत की जाती है, जिससे पाठक इस रोचकता से भरे शीर्षक के लिंक को क्लिक करें। पाठक के इसी क्लिक से ही पोर्टल की व्यूअरशिप बढ़ती है। जो उन्हें आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करती है। निश्चित रूप से आज भी समाचार – पत्रों का कोई पूरक नहीं लेकिन फिर भी जल्दी जानने की ललक ने पोर्टल्स को फलने–फूलने का काफी अवसर प्रदान किया। अलग –अलग पोर्टल्स की कार्यप्रणाली भी अलग–अलग है, लेकिन उदेश्य एक ही व्यूअरशिप बढ़ना। यह हैरान करने वाले आँकड़े हैं कि अकेले छत्तीसगढ़ में ही न्यूज पोर्टल्स की संख्या 200 से अधिक है।

मुख्य शब्द

पोर्टल, व्यूअरशिप, शीर्षक.

प्रस्तावना

समाचार–पत्रों के प्रकाशन और पाठक तक पहुँचने में कम से कम 24 घंटो का समय लगता है, लेकिन इस बीच दिनभर की खबरों को पाठक जानना चाहता है। उसके पास इतना समय नहीं है कि वह टेलीविजन के सामने बैठकर खबरों को देखे लेकिन खबरों को जानने की इच्छा दिन भर लगी रहती है। यही खबरों को जल्दी जानने की इच्छा और स्थानीय, राष्ट्रीय के साथ अंतरर्राष्ट्रीय खबरों की रोचकता ने पाठको को न्यूज पोर्टल्स से जोड़ दिया। आज चाहे विद्यार्थी हो, नौकरी पेशा हो या गृहणी हो काम के दौरान मोबाइल फोन का भरपूर उपयोग करते है। इसी के बीच समय निकालकर वे आकर्षक शीर्षक को पढ़कर लिंक खोलते है और देश दुनिया की जानकारी प्राप्त करते है। जानने वाली बात यह है कि ये

लोग ऐसी खबरों पर मुश्किल से 50 प्रतिशत ही विश्वास करते है।

शोध का उदेश्य

शोध के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया है कि समाज के हर वर्ग में न्यूज पोर्टल्स की खबरों पर निर्भरता, विश्वास और किस तरह की खबरों में आकर्षण ज्यादा है।

अध्ययन क्षेत्र

कोरोना काल में यह संभव नहीं की लोगो के पास जाकर जानकारियां जुटाई जाए। इसी क्रम में गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रश्नावली तैयार की गई, लिंक के माध्यम से विद्यार्थियों, शासकीय सेवा, निजी क्षेत्र और स्वयं का व्यवसाय करने वाले पाठकों से जानकारी प्राप्त की गई।

शोध प्रविधि

शोध प्रविधि के अंतर्गत प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। इसके द्वारा प्रश्नों की लिखित सूची तैयार की गई जिसके उत्तर, उत्तरदाता ने स्वयं दिए हैं। इन प्रश्नों को कोरोना काल होने के कारण किसी पुस्तिका अथवा प्रपत्र में नहीं छपवाया गया बल्कि गूगल फॉर्म के माध्यम से उत्तत्दाताओ से जानकारियां प्राप्त की गई। इस प्रविधि के उपयोग से न केवल स्थानीय बल्कि प्रदेश के बाहर रहने वाले लोगो ने भी अपनी राय व्यक्त की।

इस शोध में अलग अलग शैक्षणिक योग्यता प्राप्त लोगो ने अपनी जानकरी साझा की।

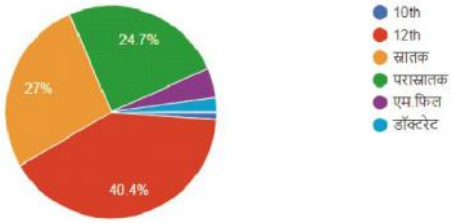

(स्त्रोत : प्राथमिक समंक)

राय व्यक्त करने वाले लोगों/पाठकों में विद्यार्थी, शासकीय सेवा, निजी क्षेत्र और स्वयं का व्यवसाय करने वाले जुड़े।

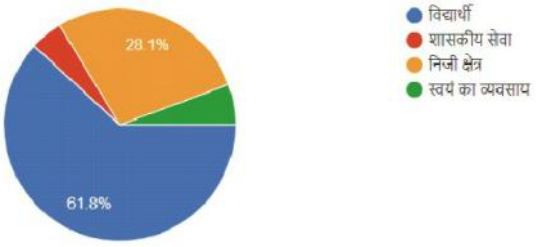

(स्त्रोत : प्राथमिक समंक)

कुछ ऐसे भी पाठक रहे जो किसी भी न्यूज पोर्टल् ग्रुप से नहीं जुड़े है। उनकी अगले प्रश्न में राय नहीं पूछी गयी।

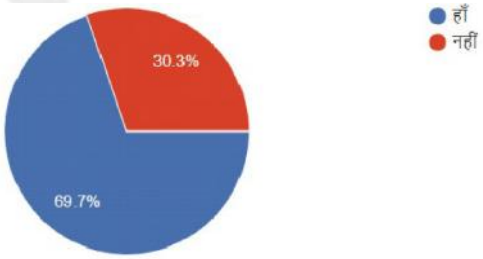

(स्त्रोत : प्राथमिक समंक)

शोध अध्ययन के द्वारा पाठकों ने यह जानकारी उपलब्ध कराई कि वे ऐसे कितने न्यूज पोर्टल ग्रुप से जुड़े है।

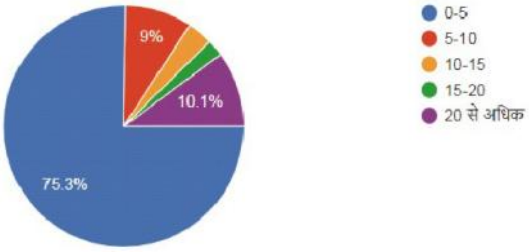

(स्त्रोत : प्राथमिक समंक)

पाठकों की खबरों के प्रति रूचि को जानने का प्रयास किया गया।

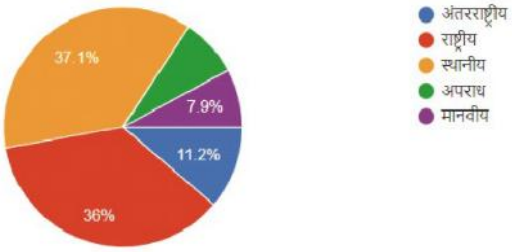

(स्त्रोत : प्राथमिक समंक)

शोध से पता चला कि पाठक ऐसी खबरों पर कितना विश्वास करते है।

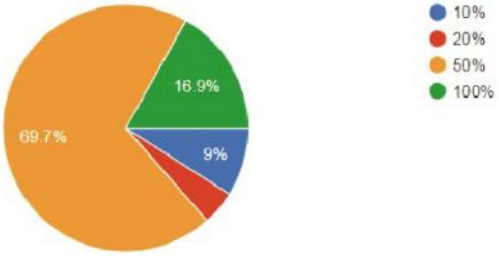

(स्त्रोत : प्राथमिक समंक)

निष्कर्ष

शोध से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि पाठक खबरों को जानने के लिए न्यूज पोर्टल्स का उपयोग तो करते है लेकिन खबरों की विश्वसनीयता को लेकर भरोसा कम ही है। हर पाठक न्यूनतम (औसत) 3 पोर्टल ग्रुप से जुड़ें हैं। एक महत्वपूर्ण बात सामने आई कि ज्यादातर न्यूज पोर्टल्स के पास अपनी खबरें नहीं है, वे अन्य एजेंसी से खबरें प्राप्त करते हैं।

संदर्भ सूची

1. just36news.com
2. thenewsocean.com

****